





अथैतत्तु वासुजिह्वे गवाकातवा पञ्चमः ॥ ५५ ॥ शीतपारकलिकवत् ॥ इति ॥ ५५ ॥ देवतानि
विनिर्दिष्टाः ॥ ५६ ॥ अथैतत्तु वासुजिह्वे गवाकातवा पञ्चमः ॥ ५६ ॥ शीतपारकलिकवत् ॥ इति ॥ ५६ ॥ देवतानि
विनिर्दिष्टाः ॥ ५७ ॥ अथैतत्तु वासुजिह्वे गवाकातवा पञ्चमः ॥ ५७ ॥ शीतपारकलिकवत् ॥ इति ॥ ५७ ॥ देवतानि

कृतं वनिजु

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार II-151

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
वी॥ म॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
प॥ नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
व॥ नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
व॥ नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नि

हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥ ५ ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥
 दुवनवीनाशयेन मलायं ॥ ६ ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥
 सहजानन्दकमेकमला ॥ ७ ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥
 सखस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥ ८ ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥
 सखस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥ ९ ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥
 यदमंजनि ॥ १० ॥ ॐ हनस्ववृषशयं वामुक्तनसपं वसानि युजिया ॥

ऊनगनगालजलजाशुवमानी मबूमहववकवाया॥ ७ ॥ उमनूद
 वयिधागभूचकनूधमभू
 आलिंगागसम्वमयनयि
 यहिमहिहहिमसूधमभ
 मिमभिरुमनसंदाव॥ ॥
 नकुसुपकुवीनवीना२ वीशुवनतवनाठकसम्यसादिनहृनियडपका

नमो भगवते ॥ २४

कावा ॥ ॥ अहिनि ^ल सं सतगुनवाने ^व उवाग ^व द्वादिगवहव ^व अरुव २
 जनामवराहयवचनका
 ॥ ॥ नागनाट ॥ नरुव ^२ ॥
 परुव ^२ काकि नर ॥ ॥ अ
 प्रगादिनमय नुस ^२ नागा ॥
 धर्मदि ^२ का गुन उ पद ॥ ॥ ॥ यद्व ^२ वृद्ध ^२ ह्यनूपय ^२ उक्त ^२ रूपा ^२ व्यागिः

नमो भगवते ॥ २५

^{हनुव} ^{हं}
 नीमा ^२ अह ^२ उह ^२ नूवा ॥ ॥ सतगुनवन ^२ वाशि ^२ वगा ^२ कथ ^२ विद्या ^२ रुत ^२ यिधी
 वाकव ^२ क ^२ म ^२ वा ^२ वृपी ॥
 नूप ^२ ध ^२ न ^२ २ ^२ ख ^२ क ^२ वि ^२ स ^२ त ^२ व ^२ उ
 तं ^२ म ^२ ह ^२ ह ^२ ह ^२ ॥ ॥ अ ^२ द ^२ वा
 ध ^२ न ^२ ॥ ॥ ध ^२ व ^२ न ^२ म ^२ स ^२ र ^२ व
 न ॥ ॥ मा ^२ या ^२ द ^२ ह ^२ ली ^२ न ^२ क ^२ गु ^२ २ ^२ सा ^२ हि ^२ य ^२ क ^२ न ^२ वा ^२ स ^२ त ^२ व ^२ म ^२ क ^२ ॥ ॥

वदवावा^ह ॐ मही नानुमाना ॥
कर्मनरुवायि ॥ म्वा नानु
दनरुमवी ॥ ॥
मविपुचरुहागा २ रु म
॥ ॐ ॥ ॥ भाव
वागम (वा ॥ ॥ २ म म धा न २ २ ॥

॥ वा विरायन वदमरु मय न
ममननी तावपु वदिनयो गो मयुम
मिय ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥
विनाहिनी वेदवावाही नुका विरुद
किमिहाट रु क मिया २ २ ॥ २ ॥ २ ॥
विनामनपुल रु मय न ॥ २ ॥ २ ॥

ॐ ॥ वागकनदि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
लिवाघनक मरु विमान
वायि २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
जीनी नयन आयि २ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

वापयिवा गिनीद रु क ता वि २ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

वीना ॥ ॐ ॥ नागगन्ध ॥ विविहन्निह नूनमाव नविशसिवदन
दवाप्तवनवकुवनरुदु
शोभन्मववीना २ वज्रधा
वज्रवावाही जालिङ्गल
वमधुल ॥ ॥ गग ॥
वृक्षनायेन विय संहावे ॥ ॥ ददशकुजधनीया वा निवडवदन

सूत्र ४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

२ नीलसंहावगगनकुंरुनीला ॥ ॐ ॥ नागविहाय ॥ इदितातव
यिया. पवनधूता २ वन
घावइष्टावरुवाधिसं
ता ॥ ॥ दिनकनमधु
॥ ॥ दग्धा जालिङ्गाय
मिता ॥ ॥ गावतिपवनपतिगुनूरुता २ वज्रवावाही कुंरुशिवदा

अवनिनिहिताम ॥ १२

विविधिवत्तमोत्थलं रुतदहा २ जगदरिवादिगववरुलदायकं ॥ ६० ॥
नागकाभाद ॥ अवनिनि
हा २ नागद्वयमाहवन्धि
॥ ३ ॥ नमामि श्रीवत्स
विश्वनाथ. विश्वव्यापिन
अतिरीषणदुर्द्धयवत्स. दंडाकनालवियुक्तिकिवध २ पीठिनम्

७

अवनिनिहिताम ॥ १३

धवाककननयना. वेवि संशामावाखरुगवध ॥ ॥ माधवमायाय
वरुववत्ता. नोदपिडा
विमोहा. हानवायसमा
रुमोलि. कयूवनीपुनव
वनधवायसुनवनम्
कानसंजात ००० नीलसमयुक्तिदहा २ प्राकालोहलनसमयुक्ति काः
वापादारुवध २ समवसमाया. नाग
हितदहा ॥ ॥ नत्तारुवधपुक्कलि
वसुधाकोवा २ सुवनवनागावंदित
वलवीना ॥ ॥ ॥ नागदुःखवा ॥ ॥

लाकलनसमाकला ॥ ५ ॥ जयकुसुमवल जनकमूर्तिख सुपाश
 कनधात्री ॥ १ ॥ गगतनाथ
 अवनिनिहितवामजान
 वरुणकनजखिलविष्णु
 यादयदहनसुवीना ॥ २ ॥
 हन्ता ॥ ॥ विविधिवत्तारुनहाविहृषितदिशुवत्तसुमोली ॥ १ ॥ गग

२

अहमिद ॥ १ ॥

कवांक्षितसर्वसम्यहिसिद्धितलरुलदायकं ॥ ॐ ॥ १ ॥ वागवसक्त ॥
 अतसिक्तसुमयतिदरुप्र
 हृषिता ॥ ५ ॥ नाचनधी
 सयिजुवला ॥ ॥ वा
 लिंगाधमद्वयमहासुहं ॥
 तस्यनिहतखनननीहृदिपादं ॥ ॥ सावयदुनदपनिखिलवि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

प्रहकारवविहसियुगनरुगगनविनाप्रयिज्ज्वला ॥
 द॥ एकलिनरुकावाहवम्
 स्थितगृष्टिकवधं नवम्
 धुवीना रुवसि चकनहक
 विधंयनकनहं ॥
 ह्रस्वजदधानं शवापनऊनीरुदि पाधधनं रुवाविशामवचनकनहं ॥

तुति
 वृत्ति ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कूटकावाधियं ॥ ५ ॥ नमामि धीयुव
 नहं शविशनाथकि रुवनचायितं वेदा
 ज्ञनरुजानस्थिककि रुवनवीनं सचयि
 रुवाविशामवचनकनहं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ नानावलाहवनायुवं कटीमखलारुषितदलशदंष्ट्राकवाज्ञसीधमव
 दनं प्रिउवनवायाप्रवृष्टु
 नहं प्रतपिशाकनमान
 वसिष्ठिमाकुरुलदं ॥
 समदहा नववसहाविं
 नाहादभवुलनक्तनयं ॥ ५ ॥

वीनं ॥ ॥ वीवाधियति सर्वरुयद
 साशसूनननयकादिवदिमयारं स
 ॥ वागकाभाद॥ हं वीऊमंरुभव
 मज्जदधधवाशदादशकुजवदवद
 नमामि धीयुवकनहं मानरुयरु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०

वरुणहवनं ॥ ॥ वरुणविंशतिपरी ॥ वरुणं वृद्धिं हवीं नवीं वधुं वा श्वं व
वज्रं प्रदक्षिणाय विवृता
हस्तं पूज्य जालिकां लिख्य
कृतावा नमामि श्री वज्रं
यै रुनमिगी कथी कृतिः
मधुलं ज्ञानाधिना ॥ ॐ ॥ ॥ वागागन्धर्व ॥ निदलयद्गुणं मधुलं मह
दवीं संयुक्तं कलिकस्थिता ॥ ॥ प्र
शक्राको अति सुन्दरा शब्दादभादेवी ॥
श्वना ॥ ॥ मन्त्रं गुणं वरुणं शिवं ध्या
कलिका शब्दानपतिना मनादुर्ध्वं मद्य
॥ वागागन्धर्व ॥ निदलयद्गुणं मधुलं मह

११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०

सुखं वरुणं देवी वज्रं विनाशिनी कृत्वा ज्ञानं वज्रं ॥ ५ ॥ पिवयिषमहावस
॥ गोकुदहनं ॥ स्वर्गमाह
वाही जालिका गगनं ॥
जायते गुणारिषक अन
मद्य ॥ ॥ गुणप्रसाद
वायं वनिता ॥ ॐ ॥ ॥ वागागन्धर्व
पिबुवनं कलिकमूर्ति अनवाय

अथ वनपत्र २०

सविनयवर्ति॥ ३॥ नावैवजसुखयवमध्वलीनवती॥ ॥ वधि महसुकिवर्तिदहासुयः वविहासिअनूवायनस लगयनकुहाहिनजुंरा ३॥ सुवयिबधीआगांव पि॥ ॥ जाकिनीमगुलवक्रु नयिया २मगुलका ६१ पूजकवयि	सहसुवती॥ ॥ वक्रुविविधव्य ववती॥ ३॥ ॥ नागकनदि॥ निम २दिमहदिलायनसमवसराव॥ ववीवाश्यागिनीजालकनूरुधनाव वयिया २मगुलका ६१ पूजकवयि
---	--

१२

अथ वनपत्र २१

या॥ ॥ वजीघानीवनीवली २सिंधिनीयाधिनीजंबूकडवकि नी॥ ॥ जाकिनीधीयिः यवन्धनमावनी॥ ३॥ ॥ वनमधी २विवासायिसम सयनपृक्षवसम्पूरुगा वापयिसंरागसयनधीमयन २नागविनागदयिमाध्यनिमक्षी॥ ॥	नीचडसिकवाजनी २सयनसमवरु वागवसुक्त॥ जिनवलजननीपुतास वसंदंदाआलिमक्षा॥ ३॥ नीलस वाआलिगदआनन्दमयन॥ ॥ वापयिसंरागसयनधीमयन २नागविनागदयिमाध्यनिमक्षी॥ ॥
---	--

मृक कलिधामं भागविमुख नाश सुवनन वपु मखन दंदा आलिंगा एता॥

॥ दहदिरु सुवन श्री आ
गता॥ ॐ ॥ वागवतु
धित पीवनूदन वशिभः
विहृषित गगनकना
पीह नूवमभानूकाला शरणनाथ श्री सुवनवाया॥

ताम्रवार प्रसामि हसन प्रेमालि
गी॥ वकीकुपु कठिलूवक मखल
माला शिबवकि वकीनेयारुमः
डिव भूविनाया॥ ५ ॥ सुसु
॥ वरुकः

वि

माह कलाथ वविद्या करु क्रिया उखवां रग संयूट यागिनी कम
लविहाय सिगन महान
आलिंगा एता सुवनवाय
लनेया क्रिदकिह नूवम
जसं वरुहिनैया गावकि
ह आलिंगा एता क्रिउकिह नूव विनासुयि शून्यकन॥ ॐ ॥ वाग

खम विप्रसाद॥ ॥ वरुवागासी
यिवरु विविह नरुं पार वावु निव
धनुवनरु वरासुस॥ ॥ सह
करुपा श्रीह नूव वन वरासुस २ प्र
॥ ॐ ॥ वाग

सप्तमिः २३

[illegible]

निवद्धवस्त्रहावहृत्सूत्रवक्षसंप्रापिता २ सनदवत्तुसम. नञप्रका
 सिक्तजलजवत्तुसमया
 नक्तवह्निभनमन्दनकुम
 द्विनिगिरववनजन्म
 विनमासहजावत्तुनान
 दिनमहासूत्रसूगतसम्पदप्रापिता ॥ ॥ देवजकालवत्तुश्रीव

महाकाव्य २१

कसुमव अलककाटि सिद्धायावगता श्रीहनुडादियान प्रहृगिनि	जानइ ॥ ६३ ॥ नागादधव ॥ मा
जानयव प्रभुमहासखः	वा २ भाहमानदप्यकुदिनमायामाह
याजालविभुसदृशभनी	२ वागदधभाहकुदिननिनयासा ॥
॥ प्र ॥ वसंशानअमान	धनिया २ ऊअमवीविकदुह्वययुध
॥ अत्रिमिषनयनदृट	
दू ॥ सहजसंहावतयउदनागकधनिया २ त्रेधयवमखावास	

वसुधा निनी २०

ववृवा ॥ अवधवउदयपायाप्रहाद २ गात्रकिदुह्वयपा. रुववक	मानयीगावकयागिनीहनुवनाया २ वि
काविवा ॥ ६४ ॥ नाग	॥ प्र ॥ पिवयिमहावसमहासख
उवननाथादवीमपार	नियाअनरुवहान ॥ ॥ उदना
कनयिया २ वज्रदेवीरु	२ दहिविनासयिपवनसंरुदयि ॥
निविदलकमलसंया	॥ रुजयिमहासखकनी २ पंदकिनसवीऊवानुव ॥ ॥ सगय

कवन ॥ २७

नूवनतयसादवदुर्थाहिषकं २ प्राहाध्वनीसंसावसमुदा ॥ २०० ॥ वाग
नाट ॥ कवननूपलाकम्भ
सयनविशुद्धि ॥ ५ ॥
गउमनूणीवनवभिनमा
लविहना ॥ अनरुनवन
हं डवजक्रुवालवीहा २ अवनध्वकागगिसंसावननवडा ॥ १॥

११

सक ३५ ३०

हलरुहलरुहमउमवसूक्ष्मडा २ जिति डवननाथप्रकृष्टम्बनमाया ॥
२०० ॥ नाट नागा ॥ सक
नूतकवितासूखविह ॥
विकल्पविताशननूपं ॥
रुयहवहाविभावनविह ॥
नूगा २ नकिपनिस्वर्गनिवासननूडा ॥

लजगतगुनसम्बनवीना २ अनूयमक
५ ॥ सम्बन २ कून्मयिताषं २ विविधि
॥ देवीवावाहीउक्तमपिकदहा २ रुव
वा ॥ ॥ सकलविश्वहक्तिमक्तिप्रति
॥ हावाहावहक्तिमक्तिवि

विमलेश्वरी ३२

ह्ला २ अन्त्यमस्रखवसमप्रस्रखविह्ला ॥ ॐ ॥ ॥ बागशेववी ॥ निर्मोक्ष
दिवहुषष्टीदलसमानुह
युनिगललिकाङ्गमिनी
जानमामिदवीधीवक वि
२डादियानपूर्वगिनिका

॥ ॥ वसुदलसमानुहवनधमवकषाउडीदलसंरागवकं २डापिंठा

मधुगतकादिवृत्तनादनूपी २ समीन
नलनीलसूतापमकलनूपी ॥ ३ ॥
नामिनीप्रिरुवहनधखसमहनदवी
मवूपधीदतपुविशुद्धमधुलनृष्ययकि

१८

५१

षट्पाणिनी ३२

कदलकमलमहास्रखवकहंकावपूपधीदवकनाथा ॥ ॥ दहयिजिन
विद्यादिमिकयारुदिनीआ
गरुमिस्रगतयूजनीजिन
मिविचूजलजवन्धापमज
मानुंरुपायशानहमहर्ग
कनदिशषट्पाणिनीदवी

वयिमृत्तवानयानादनूपी २ पीभदिद
हानदायनीवीनधवी ॥ ॥ दर्शयप्र
हिनिशिसूमनकवकदवी २ जमजन्म
तिनाशनमाद्रुपदाता ॥ ॐ ॥ बाग
विशुवनचापिनी २ विघ्नमानदृष्टदर्पविनाश

ताशकायवाकविरुस्यमधुलविविधपूजिता॥ ५॥ प्रथमामिथीद्विदु
 जसुम्वनवजवावाहीभूय
 दुर्वाववकुनसुक्रुटागावम
 ॥ जगामकूटजद्वयवदग
 विरुषितामधुमालादिग
 नन्दनावपिप्रद्वयसमाधिधापिताशमकुमडागागालिगाधमधुलप

ताकवृधमयशमूयनहालावलि.व
 नाहवा॥ ॥दहिनकनवजवामेघ
 जवमेरुषिताशववधनोपूनमर्मनाः
 म्वनदहो॥ ॥गृष्टिसंहवननाथ.आ

२२

वमानन्दमूर्ति॥ ॥गवतिवत्तवजुरुनयिगीताशुनूचनवमिन्नग
 तधाविताशमकुकिरुयम
 प्रसादा॥ ॐ ॥वागवि
 २ससुमनासहसुसमान
 गगनाधिवनमभ्यनदग
 वामखदांगधजधानी॥ ॥सचकालमुखमानवसुजासिताशमवमिन्न

गतिनामनमूयनद्विसर्वसिद्धिवल
 रास॥नाहिमधुलमाप्रदकरुविता
 ता॥ ५॥दविशुमसिक्तुद्धागताश
 ता॥ ॥दहिनकहिंसपायधानीश
 ॥सचकालमुखमानवसुजासिताशमवमिन्न

ॐ
 नमो
 भगवते
 नमः

उपनयन
५४

॥ ॐ ॥ नागनामकवी ॥ दुर्धनकनयपिंगलकभा ॥ २ नावयिह नूवडनमन
वरुभा ॥ ५ ॥ हनूव २२ मा
ला ॥ ॥ वामद्वीदहिन
दहिनमनूवामखदांग ॥ २
वतिकर्षपाहनूवदासका
वसक ॥ हासकनविहमधुलमाधसंस्थिता ॥ २ पं वजकजाकिनीसंस्थिता ॥

नूकाला २२ वी वधुनीनेया शुशुननराः
वधुनीमामयविशयिह नूववावी ॥ ३
अष्टयागिनीमनिह नूवसंग ॥ ॥ ग ॥ २४
यवाकविह नूवनीला ॥ ॥ ॥ ॥ नाग

स ४

पुनःपुनः
५४

५ ॥ नोमिथीवीनांथीवीपादवनदरुभा ॥ २ वीनवीवधुनीगाधदंतालिंगः
॥ ॥ वदास्यविधिन
विमखलानूपला ॥ ॥
पनशुपाडाजिशूलमधुमा
कनाथं २ गुनूपादमिनव
नमनमावनवरावनरावक ॥ २ नवविग्रहनगहनगहक ॥ मान्ननत्तानि

पुं वजायूवधुमधु ॥ २ मोलीकशूलक
पविधधुनागवर्ममनूवदांग ॥ २ पाय
ला ॥ ॥ पप्रजाकिनीगाधविधहव
र्यवार्गहला ॥ ॥ ॥ ॥ नागरास ॥ प

२५

वागमलिनी॥ भूच्यनिबंजनपवमप्रदुभूच्यमायासम्भावशरावहवि
 यसंहावजानानासिम
 प्रदुशामहासद्वर्जश्या
 यिवाऊ॥ ॥ अखम
 नशुशायपवममहासदा
 न्दसहावजानानासिम
 प्रदुशामहासद्वर्जश्या
 यिवाऊ॥ ॥ अखम
 नशुशायपवममहासदा

प्रश्नार्थः ७५

यिष्मन्नयाडा ॥ किमजलमाय वदसहि नाखकनमिद्व २ जी विस्वमः
गुलवक्रजा तनयसंहाव ॥ ३३ ॥ नागपंचम ॥ अरुना
वीमरुप्राणकाव २ अरु ॥ भिवसि सिंध
वक्रकनरु ॥ २ दवीपसा ॥ नवसख अस्थि न
प्राणकाव २ गुनवाकन अ ॥ नाथं ॥ कूलवंसमाहुवतवरु
लदं २ कवृद्धि क विरुनागरुलदं ॥ ॥ कलविनसि सिद्धिरुलपसा

२५

अ. नि. न. प. ७५

दं २ ऊनज नथी वक्र विना सिनी गवधं ॥ ३३ ॥ नागका माद ॥ ईका न
सक्रवक्रुष्टमासा गप ॥ नदहनापं नि कायं २ नीलपीत नरुद
नितवसम निदमवदनं प्र ॥ जिहव नधं ॥ ॥ आलिकालिद्रयि
आवीराधि रुववकालिमा ॥ नरुदना २ षट्सप्त उजस्र विद्रध
मा अंगतथी कालि (ग) धवी ॥ ॥ मरुमधुमालापी वलं कता. म
ममूडापक विरुषधं २ मधुमाला विधवक्र अर्द्ध वक्र जगामूद्र धववीः

नागलोचनस्थिता २८

जा॥ ॐ ॥ नागलोचनस्थिता ॥ वा नाहिवास्थिता ॥ दिदलसनाजा ॥ दिनकनमगु
लमध्यस्थिता ॥ नरुधमदि
वना॥ ॐ ॥ पदमासिवाचु
दायनी॥ ॥ दिगुजयक
लिता ॥ विगुवनवापिनी
धनी॥ ॥ चकीकृदुलकणी धनी हाथनावक विरुषिणी चनदा

२८

नूपनदहिनकरियमखला २८

नूपनदहिनकरियमखला ॥ नवधिवमाला विरुषिता॥ ॥ विश्व
जननी पवमगुधधनी ॥ रु
खनूणिदीदवी ॥ नाद्विष्टिः
नागमल्लो ॥ कनकवर्णद
स्थलगा मिनी॥ ॐ ॥ नमा
कनमानविप्रविनाशिना॥ ॥ चैत्यगुहाम ॥ मधमधनमगुिता ॥

पातलेकाननरु०

परकुजचिनयनप्रितिवदना॥
सूवीसूयवामसयकन(म)
कालास्या२विविचनलाक
द॥पातलकाननआवाधिया
॥नमामिपीलेलाकचनकि
ता॥ ॥हनिहववक्रादिदिगापाला२याधिदाविददु२रहव(ह)॥ ॥सू
*नागयकगलवन्दितवनला॥

॥रूमकामधनकूलिभाम्रवका२
ता॥ ॥वदनदर्शनसिक्तवामनील
लववनीलकंवूका॥ ॥३॥ ॥नागामज्ञा
व२सिद्धायागीवन्धूरुननंनुदव॥ ५
उवतनाथ२कनूधामयजगगडछानि
॥३॥ ॥हनिहववक्रादिदिगापाला२याधिदाविददु२रहव(ह)॥ ॥सू
॥उमूमनकपापहनक२

२०

सकलकुजग
सकलकुजग
सकलकुजग
सकलकुजग

खावनीउवनधर्मप्रवाह२शीलाकचनकुमजमभावा(ह)॥ ॥नागनाठ॥
सकलकुजगमंसावनूपाहं
दविचकुप्रिउवनअवलं२
अहंवृद्धिवहंसिद्धिस्थव
सकोह॥ ॥देवास्
मृन्मूविप्रसिद्धिवहं॥ ॥३॥

१प्रववृषधनहर्लाकर्हं॥ ५ ॥
जगमवृद्धमयसर्वमिदंनूपाहं॥ ॥
नऊगाभाहं२अहंमुअहंपूनूषनपं
वाहंजन्मजनकाहं२अहंजन्ममूहं
॥नागनाठ॥सकलकुवनगुनवज

सत्त्वस्वरूपं सर्वलंकावपूरुषमुल्लसत्सुखं ॥ ५ ॥ दविनूपद
 भाभादकनासुखावहं ॥ अतनयादिनानाधवीरमत्तनं ॥
 ॥ अहासुविस्मयाधम
 गुही अहासोर्वमत्तनं ॥ अहाविस्मयावानो ॥ अहाविस्मया
 म ॥ अहासुखमहाशुद्धजहा ॥ अहासमत्तनदार्थमहासुखसंग
 क्महागीतसुनिर्मल ॥ अहावाद्यासिंहसंगमहातालसमावहं ॥ ५२ ॥

३०

१ नमः श्रीवक्तृसत्ताय ॥ ॥ अकताल ॥ नदनातदि ॥ ॥ ॐ नमः श्री
 यमनृत्तवनाय ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवक्तृसत्ताय ॥ अहाद
 लसुखं गहनविहासह
 क्षतिपविरुवंसुत्तकाका
 सविहागमनाशुवन्वाह
 मयवन्वा ॥ अपिवा ॥ आसुसंसाववक्तृविभवयतिमनःशक्तियागम

॥ ५३ ॥

गणेशाय नमः

महेशा. साधिर्यस्य प्रसादादिशक्तिनिजकुवंस्वामिस्वामिभानिप्रयच्छ॥ त
 उपस्थात्सर्वधर्ममूढयति
 प्रपन्नमिवसिचिचिनयंमम
 य॥ ॥ अं नमश्चैवक
 पंचजिनमोलिज्जानन्दका
 वाकमलासनस्यशिवभूषनामिहवनेश्वरकवकुमलं॥ कवाग। स

३१

विष्णुसना नमः

हजानन्दकानका॥ जाव॥ विश्वयायितनिखिलजिनरुदयासनकायः
 वागीश्वरज्ञादसूदना॥ क
 ॥ ० ॥ वागीश्वरानि॥ वि
 रुहसंरुवा॥ ५ ॥ नमामि
 यिहृष्टागतमनाहनस्य
 रुदयनरुपंचजिनमूढमतिनयरा॥ ॥ धर्मवकुमूढाकलिसंभवा

सिद्धपञ्चाशदपयियाप्रस्तुतस्थानं॥ ॥ सुभासुवनमिहववराधशु
 नयिपवमादिवज्जिनि
 रुवकथमा वंकावसंरुव
 आरुकावकावमृकमृद
 वडावकवसवाधिरुल
 मां२जगतमलागाधकमृचमाकवृक्षावसंसावनाशनविबकनूपं॥

३२

॥ वज्रपुमानवगाश्चासुसंयुक्तमंरुगाधिरुपं वषासुषं२रुं काव
 मरुपूषसंरुवज्जिनि
 तवकसुवपुषावकाह
 देवतावकाहानसत्त्वमानी
 मनदानपुवसुवसमयस
 इवीरुयवाधिविरुनूपं समयसत्त्वज्ञानसत्त्वचकीरुमं॥ ॥

विशिष्टा मन्त्रा १००

वागागन्धर्वदेवी॥ विवित्राय न वदुर्दक्ष विहावा २ क न रु प्रमिष्टा मं
लहाम॥ ५॥ ॥ हाम हाम
दधमोद वन्नि व द्वादि॥
वाययिमा वायवयिस्था
लयिवजानल आकृतिदि
वज्रपवनघन वियसंवाधयि॥

कनयिया हूँ नदिवदुर्मावा २ नाग
॥ प्रह्वघ ४ उपाय न वजा २ व विममि
॥ ॥ वामदहित क न यवान पाठ २ क
ना॥ ॥ कर्तु वा व क म्पु न व हाम २
॥ ॥ वागापं वम॥ कलिक वमानलः

२३

नविममिकं विममवयि डौका न नाद नू पं २ दं ५ नू याणा वि नुवन विना
पयिसयिजिन ममि विंद
वीकाधा विपथी मंशु व
लं यारा मरुजा पवन
नमूकट धावी कृष्णिता
विदजपयंका म न कू कू मानू शक नू प कलि गा २ वज्र ख म्म भव दहित क

नू पं॥ ५॥ ॥ पवनमान न च म न कि म्प ध
जा २ मं जा २ ई २॥ ॥ कलि म क म
वंग म्पुलीन गति २ यय म्पुल घट रु क न
न न दहित वाम॥ ॥ ॥ नू नू म धु ला प
न न दहित वाम॥ ॥ ॥ नू नू म धु ला प

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

वधादीत्वा मघा ॥ ॐ ॥ लवा पत्रादी ॥
तत्त्व वयि अन्न कमवति
वन्नानिवास्यदं ॥ ॐ ॥
मूमनिलकनकाला २ घ
यिनलाला ॥ ॐ ॥ मलय
यि ॥ ॥ तहिरुवखाजनगरं

॥ विविध वल्लारुनधा विरुषि
नूपं २ ॥ अगुनूवव वपशाद नममिष
नागतादि ॥ काला यिनस्थियावाला
नकविथिहा यिवरुयिकवहाकिरा
जकू २ ॥ वरुयि, ठिंकिताता नहि वरु
मयनापि वयिनयायि २ ॥ नकानि ॐ

२४

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

नप्रतायायि, दंदनूवजनयायि ॥
वनयायि २ मलयजयि २
॥ ॐ ॥ मूनकू कूरकू यु
वायिया, तहिरुवखा
काला २ ॥ वरुयि अवाला, म
॥ कूरकू कि अन्नलाला ॥ ॐ ॥ मलयजकू २ ॥ वरुयि, ठिंकिमरुहि

॥ वडरुमकमुनिशिक्षा कर्मवला
नशाविजन, तहिरुवखाजनयायि ॥
छातुछनमूनयि २ निवंसुह अंगनव
यानयायि ॥ ॐ ॥ ॥ वरुयि मलिलि ॥
निलककाला २ घ ॥ अकिपिहू कूरकू
॥ कूरकू कि अन्नलाला ॥ ॐ ॥ मलयजकू २ ॥ वरुयि, ठिंकिमरुहि

नवाङ्गिभूः ॥ ॥ तद्दिं वनराजः ॥ गङ्गा मयमनापिङ्गा ॥ २ हन
 कालिङ्गलपनिभूः ॥ ॥ द
 धुविशिङ्गा तद्दिङ्गपुन
 तद्दिङ्गवरा ॥ ॥ आ ॥
 नि ॥ २ निवङ्गुभूः ॥ ग
 ॥ नागा तद्वावनि ॥ सर्ववद्विवृद्धमपितु विश्वमानचुदनी २ वरु

३५

मधुल

थागिनीवङ्गमपितु कवधवजिलावना ॥ ॥ नमामिवाङ्गुवीयागीनी था
 गिनीगङ्गमपितु २ भूः
 ॥ आदिङ्गुङ्गा समनदी
 वृवकमखलाविरुषिता
 मूकटकभदिगम्बना २ म
 थं कना ॥ ॥ दुङ्गदवीचकृजूनहा मयवविश्वयापिता २ दुङ्गववरदा

पुष्पमाला ५२

निनधविद्या अथववकर्तृपाणावयिया ॥ ॐ ॥ नागरुववी ॥ प्रविश
कुरुगावनमहामाकपुनन
तरुयवचनमावयपव
समहायाननथाहमदहि
गाम्बनगुक्कगयमानुरु
नयानं घातयामिमपापकनृपर्यपाठदिक्षिगयनिवहिता कमलक

दशायिजनुरुनवाधिपदं २ जनामव
मामृगमयपवमगुवं ॥ ॐ ॥ प्रहिव
विनामृगयाननवक ॥ दशायिकवमह
नवाधिपदं ॥ ॥ सर्वकथागतयूज
कमलक

३६

पुष्पमाला ५३

लिहायविशामव ॥ ॥ कुरुमदकमृकटाशनिकमला जिनकूलस
मयाचार्यपदं २ मज्जुजन
॥ ॥ नमामि २ थीवक
नूववतकमलप्रसादम
नागनाट ॥ सरूजसुनान
नासा ॥ ॐ ॥ ॐ कयिमहानमगु

दयपठमवकपदमवलमतिपदरुन
सम्भवागुनूवाकट्टधविद्या २ मगु
नुरुनसिद्धिपदमाकुरुलदं ॥ ॐ ॥
हहनूववाया २ यिउवननाथदहिवि
कारिधक २ कमलकूलिधसंयागसंरु

वासोदरि ३४

वा॥ ॥ उवाटापतादि नृधिया प्रवशा २ प्रादा विंदुसु मरुसु खदाता ॥
॥ ह्यनंभनी नृपिदीदवी
खदाता ॥ ॐ ॥ नागमा
प्रविनासयिमहासुखक
दुजातश्च २ समयन विनाश
विरु विनासयिया २ कायवाक् विरु २ कृकनिया ॥ ॥ गायन मयन
॥ एकथावयि

३१

वनेवन ३५

आह्वनयिया २ आवयि नयान गारुधधावि ॥ ॥ पावयि न गुवपाय
पसाद २ रुनयि वाकवज
धन २ दूधन धवाधन २
कृक समय २ कृव नृया
समय २ लं आलालिकक
न २ सुसमाक विरु कमलधन ॥ ॥ वजस्य आह्वन तत्वमा २ विध
गुन्य समाधि ॥ ॐ ॥ नाग विरुस ॥
धनय २ चकिनिन ॥ ३ ॥ मर्द २ व
गसु विववध ॥ ॥ कृव २ वजधन
धुवन ॥ ॥ कृगुल कृगुलिद रुधः
॥ वजस्य आह्वन तत्वमा २ विध

श्रीमद्भक्त
प्रवर्तक

मयस्ममनसदातामहं॥
वधन॥ ॥ममधननिः
धन॥ ॥प्रहिवहिजिः
कवन॥ ॥इंजीशुह
मूक्त॥ ॥इंरुद्रजादि
य॥ ॥०॥ ॥वागनाट॥ कवननूपलार्कधनकवननूपवृद्धं॥ ॥अखय

॥वलायकवनवजगिब२कष्टिकष्टकमा
खरावपनम२ममधनमहजखराव
नजिकसमय२कायनिवन्धनलाव
भुकसमय२प्रखलामलितप्रदाव
नवनदावय२प्रदामामिश्रनवजगि
य॥ ॥०॥ ॥वागनाट॥ कवननूपलार्कधनकवननूपवृद्धं॥ ॥अखय

२८

श्रीमद्भक्त
प्रवर्तक

निबंजनस्यवविमुद्धि॥
॥वागनाट॥ सकलजग
लकवितासुखविहो॥
॥खडांगउमनूणीवनव
धिविकल्पविनाशननूध
वंजनमूकलविहोना२अनूरुनधनगमिस्यवविमुद्धि॥ ॥नाथ॥

॥नाथेनमवधवदानकमानश॥ ०
तगुनसम्वववीया२अनूपमकनः
॥ ॥सम्वव२कनूपमयिताषं॥ ०
धिवमाला॥ ॥नाथे॥ ॥विवि
॥ ॥ ॥सम्वव२॥ ॥अकलस्यनि
॥ ॥ ॥नाथे॥

दवीवा बाही लुप्तमपुतादहा २ रुवरुमहवत विज्ञानविद्याया ॥ सम्भवा ॥
 केरुवालुहं दुवज. केरुवा
 नडा ॥ नावे ॥ ॥ सकल
 सर्गानिवाशनवृक्षा ॥ सम्भ
 युवननाथ एक सम्भवनाः
 निविह २ अनूपमसुखनमन सुखविह ॥ सम्भवा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

३२

मोदभावाय ३७

बागललित ॥ सादराहायनकनूषकिथा मिमवासाना रिभाबना जयरा
 वा २ हाउमान आरुवधकि
 हावा ॥ ५ ॥ ॥ दवीक ॐ
 नी आलिहमाहधवसि वि
 निवंसुवनतमधुलमाभ्यव
 पाला २ कवनिका पालखडांगमृगाहना. पञ्चशिवजटा मूकटकंठक

मिति कुंरु सनायनपावनशिवमनिय
 कुलियं किमिति कुंरु नासाविना २ दहि
 बीया. विनिनयन अतिगन्वा ॥ ॥
 भगिनताया. अगुधधवसिनवक
 मिति कुंरु सनायनपावनशिवमनिय

सुप्रतिमतिरु

विया॥ ॥यंचकथागतदहसिचउदवी.कहनीथदवीपावनी
ऊयं२ऊगाकमानूषास
कातियं॥ ॥रुवः
मयजानदवीउनूपसाद
थिऊननीहावभूहाव॥
मगुलवकं२उक्किगद्वयपाकवितानं२॥ ॥सुप्रतिमतिरुहूय

४०

मनकं२तदनूवगीतवभमनाहं॥ १ ॥पंचवृद्धासकसर्वविऊहा
यं२पञ्चकूनाटकविहू
मा२नृपुंगुगीतमनकल
रिहायं२माथयविचव
वववृद्धगुराधमं२वपनि
यदापविमूक्तिग२वृद्धविहावनया.विषवीगमिदंमकलं॥ ॥गंता

दिद्यं॥ ॥याजाहिचकमहासूना
शनं॥ २ ॥आवकयानमगिदिग
अथतत्ववनिचवं॥ ॥वृद्धवनि
दानरिहातस्वयमुं॥ ३ ॥वृद्धदुयान
॥गंता

विष्णु व १०

ॐ ॐ ग ना ॐ ॐ २ ग ना क क ॐ ॐ ॐ ॥ ॐ ॐ ॥ वाग मानवा ॥ निज कु व अव
ध व रु न व नाया २ पी ह
आ न द्या दि द वा रु मी आ
सा सं पू र्ण ॥ ॥ पृष्ठ
न हा पि व पि स का क ॥
अ न हा कि व व पि वा ऊ क ॥

ॐ ॐ ॥ वाग मानवा ॥ निज कु व अव
ग ग म न या गि ती प पि स ॥ ॐ ॥
न द्या दि द वा २ प नि ना य कि रु न व म
सि क हि रु न नि ज क ल रु न व २ ध व बी म
॥ श्री ॥ आ दि या न क ल पि व पु मी २ गी क
॥ आ लि का लि इ पि पा द ध न रु २ व व ड

४२

कवि व १०

या गि नी मं ग ल गी क ॥ ॥
ल क लि म व रु रु दि ॥ ॥
स म रु न व वा ला ॥ ॐ ॐ ॥
॥ २ अ न रु रु म य पि कु व
क ल पि या २ रु दि न ज डि
ना व ड पि क कि २ ॥ म पि न व वि म गि ग न इ वा न ॥ ॥ ड दि रा न व ॥

॥ य पि स पि व वि अ रु य सं या रा २ कि रु कि क म
घ म बी धा बी वो बी व ता बी २ ल प न व ड
वा गो व वा दि ॥ का पि न वं म वा डि न बी
न बी म ॥ ॐ ॥ अ म रु म व मि न दा न
सि डि ना रु प सा द ॥ ॥ गं ग म य म
॥ ड दि रा न व ॥

हस्तप्रिल ७२
नमस्तेमपुत्र ७२

आवविमृक्तागशगानमिखनमाप्ययवनहदाय ॥ पवनपंचास
प्रकृकेवध्व २ विषयनिकक
हवसिनमृकृकिनटिम
रुसत्तपनमध्वयवनमय
कंरुदहधन ॥ वावि
रा ॥ ॐ ॥ वागहेनवी ॥ अमहीमपुल मवूसमडा २ जनयनकोहन ड

वरादानकशिखा ॥ ॐ ॥ वागगन्धा
गिलास्ववयनहाहा ॥ ३ ॥ सादियः
दं ॥ ॥ गभरांयुनिवद्रुपीथकल्लु
उरुवहासंवाविद्रुगुक्ककृकमल्ल
॥ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥

४२

नमस्तेमपुत्र ७३

दकविद्रवडा ॥ ३ ॥ अयनमनमियलायनगायन २ स्फुलपविहाम
यिया जिनगुहावाया ॥
एकाधसमृद्धतर्वाजिन
याहृथिनविया २ काल
मृनगरुनिहावयिया नः
मृविद्रयवाधा ॥ ॐ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥

॥ कल्लुधाविद्रुद्वियाविषयमेव
प्रकृजनका ॥ ॥ पवनहयिरुदि
यिवजानलदहदिहदाहा ॥ ॥
हायिवस्वधा २ मृनगरुवक्रुनयिया
॥ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥ वागकाभा ॥ ३ ॥

दम्भाविमूढांकिनीलवर्णं २ श्री वज्रजकमणिमधुलस्यं ठंकावसंजा
 तप्रलामासिभाकं ॥ ॥ मृगधामापविमंस्थितं तं वक्षंति
 मूढांकिनीलवर्णं २ श्री व
 तप्रलामासिभाकं ॥ ॥ दृजकमणिमधुलस्यं ठंकावसंजा
 मृगधामापविमंस्थितं तं वक्षंति
 मृगधामापविमंस्थितं तं वक्षंति
 कवविमधुलस्यं ठंकावसंजात
 प्रलामासिभाकं ॥ ॥ मयूवपृष्ठापविमंस्थितं तं पद्मांक मूढांकिनी

मूढांकिनी

४३

विष्णुः ॥ ८५

वक्तवर्णं २ श्री पद्मजकवविमधुलस्यं ठंकावसंजातप्रलामासिभा
 कं ॥ ॥ खगलामासिभा
 कलारं २ श्री विश्वजकव
 मिभाकं ॥ ॥ नाग
 नममृकटुपिलावना
 शिशुः ॥ कं ॥ वनचापितजिनहनदावनी ॥ ॥ दहिनकववजविना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

४७

金剛經

नागरेनवी॥ हास्ववषउमूहवज विरुवधर्मादयापविरुमिबश्कृताग
वमनाहवमधुलवजधा
वहिया रुदयकमलहि
गनहाहिमहामडाहि
वमधुलविनासयिषज
वजधाउपविरुमिब॥ ॥ प्रसादिबदरुदिरुवभिबूधनदिदिता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

जगत्तुच्छानवशस्यनववृद्धिद्याचककुलयियानिजविजहयापः
विरुमिवा ॥ गुब्द
रुंगावशसतगुववववव
तत्वना ॥ ३५ ॥ वागभृ
भूतिनशाशमृकककं
तनाततइइ ॥ ॥ वामकवाटकदहिनकनमि२राजारुववसूमाहि

४५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ता ॥ ॥ सूर्यमण्डलमाभ्यंशंदवमनूति२वजमपितुविरुषिता ॥
सतगुवववववमिलगगध
वागराम ॥ त्रिदलकमल
ना२शीविबूपाकखगमः
नमामि श्रीनेनात्मा शिख
यवसूनासूववदितववरा ॥ अनेकनाडि सिद्धि वलपसादा ॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

नदनवनमिवचदनननवन अनककूममयाविआनवनननिम्यगं
गास्त्रानवागमकितीर्थ
रुनवेअष्टयागिनीदेवी
रुयद्रुनितानिनवान्व॥
यनिबंजनआमिमय२
जन्मरुंरुपायधनवत्॥ ॐ ॥वागकनदि॥नीलरुंकावप्रकालिन

वान्व अनकविप्र ३

४१

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

किबरल२डुर्धपिंगलकधमीरुवजनाया॥ ॐ ॥नीलवर्णदेवीक
हिंकपालधवा२जगत
धवीनदृष्टिआलिंगधम
॥ ॥रुमविरुषितय
वशिवमाला॥ ॥व
यडववरलानवरुमावमर्दन॥ ॐ ॥वागवमरु॥एमीवीवीवीव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गानीयकसी २ सववीयसु वीठं वीमधुलप्रवसा ॥ ॥ ज्ञानदनाचयिह
नवलेया २ नेवासा नानीका ललेना ॥ ॥ दवहाघाघनववयव
रुषला २ वितुषितमधुमा लादिगान्धवा ॥ ॥ पंवाभियनसरा
कूदहन २ दलडवाडुजकय मृकमयना ॥ ॥ विमलसंबूकसूम
वाल २ रुनयिभूमाघवक हववकाल ॥ ॥ वागरुववी ॥ वंश
यममानमिबीयवृक्षा वासुकिनागगार्धितमघा २ गकवभभानम

४८

वकवृक्षा घनितमघा तदकनाग ॥ ॥ ॐ उयमजलयरुतवकि
वायुनाकसदिगादिदिगंठ वतीन २ मूरभभानकदिगवीववीव
भवनाचयिसहजानंदन ॥ ॥ कंकवीधावावहितमघा हा
लाकूला ककोटकनागा २ कंकवंकक
ककोटकनागा २ कंकवंकक
वृक्षा ॥ ॥ अट्टहसामंखपालनाग ववभमघा वटमहिबूह २ ल

याव॥ ३॥ ॥ हूं हूं नमामि पंचशक्तिनी पंचशक्तिनी ह्रीं नमः शक्तिनी ह्रीं नमः
 (गङ्गा गङ्गा) ॥ पूर्वदरु वयश्चिमदक्षिणवदुरुवने विप्रमान
 विप्रस्यस्युयावशक्तिनी क्षीपिनी वडसिकवाजनि घाववताम
 संयासवदना ॥ ॥ सिंधि धीयाधिपीजं वृकडलूकिनी खडा
 गपनरुं कुं भद्रहस्तवदु शक्तिनी घाववताम वदु शक्तिनी
 वदु वदनी ॥ ॥ जिनजननीटवी शक्तिनी रुद्रपाय हवता पंचमडा

५०

गङ्गाजिन

रुवधविरुषिगा १ ग्वरुं रुटकवजघष्टवहा ग पाउपनमथमस्तनदवी ॥
 ॥ ॐ ॥ गङ्गादेवी ॥ गङ्गा जिनडडहाथधविद्या कमलकाले
 अद्वयवावि १ उमवृकहि कभवजिपूला वामखडां कपालधना
 ॥ ३॥ ॥ श्रीमन्मन्त्रवाया वा दुविदुक्तजगुलिना १ मावयिववाप
 यियावमाया मासूरुव दुमडालिना ॥ ॥ पाद्ययक्तमगुया
 महाथधविद्या नवशिखमाला १ नीलहविक्तलाहिरकनकारु वदुमख

५००

अतिविक्रमालधवा ॥ ॥ आलीरप्रदरे नववापयिया नकालिवादी
 विंममडा २ विध्वल्लिमा ॥
 ॥ दुशीमावी नवीनधन
 कबूतगुंमा नवीनवीनध
 बागगुंजनि ॥ ५०० ॥ रुन
 धृतिपिंगलकमा ॥ ५०० ॥ रुनदनुकम्या रुपा गुणदवी २ दृष्टमानवि

५१

५००

श्रीनाथल २
 पुनाक्षनीदवी ॥ ॥ वरुनयन श्रीसिन्धुमाला २ खरु कवतिकपा
 लधवा ॥ ॥ आप्रचम
 का ॥ ॥ यनधधवध
 वज्रवविनगीता ॥ ५०० ॥
 बी २ सिंधिपीयापिपीजं
 गाम्बनमानधवीया २ श्रीसिन्धुदवी सिन्धुनययिशा ॥ ॥ पूर्वडरुनय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

प्रिमदंदिशदिगाद्वीशुजाकिनीदीशिनीवद्विकंताजनी॥ ॥व
दिगाद्वीशुजाकिनीदीशिनीवद्विकंताजनी॥ ॥व
वक्राङ्गद्वयसूत्रगा
वागधावनी॥दि
॥नमामि श्रीगणेशाय
॥रहितं हृदयं वासुदेवाय ॥विविधमात्राहस्तांजलि॥ ॥मृकृताक

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मावलिदिगाद्वीशुजाकिनीदीशिनीवद्विकंताजनी॥ ॥व
यातिनीगणेशाय
नागधनाथी॥गणेशाय
या ॥महिमं कृतं ब्रह्मा
मानिषाविष्णुमानिषाद
नामानं संशयान्मन्त्रपदं दृष्टविनाशिता॥ ॥यवसुवासां वृक्षं

जरुमरिष्ठिपावदद्विजक वा २ मधुमधुनुरवद्वंशाखत्यदकनविवासा ॥

॥ दिविद्ववकाकं वृकोट

तवद्वकं नृशदव (भा) र

तवधुतवत्तं कालं कामुनि

मदातानमाधुशमाधि

पुनः प्रयतिरुनावा २ मृकालदेवगणवद्विजपादं ॥ ५ ॥ मेरीभादिवृद्ध

॥ अभाऊयकृतमधिमेष्ठि का २ लेश्वादेव

प्रायवमिनिमिनिविजक ॥ ॥ नत्वा

कमरवज्जतिस्त्रुदवा २ दीनावदत्ताहम

पति ॥ ॥ वागामधूमकामधुनिपू

७३

॥ श्रीमंरुमाना २ लंजुविद्विजपप्रनृपध्वना ॥ ॥ कंकमनूविवासा

नूविनविषमा २ भूयाति

विषमकलपावंगमनसा

हृदगुनप्रवमाद्यविद्वज्जा

॥ ॥ ॥ वागमादि ॥ पं

झरुवपा २ नवगिनमालागी व (भा) रुवा प्रवमकटिरुविजलयना ॥ ५

गंहीनाकनृगविहाना ॥ ॥ विषय

२ विषयापितथीगुनूस्त्रयंतु ॥ ॥

वा २ गायतिरुवगीरुयधदकलि

कपालाधविषमोलीपंवसनपंवम

पुनः प्रयतिरुनावा

पुनः प्रयतिरुनावा

हूं हूं का व संजा क व द ना ॥ पर्व लं वा द व नी ल स म द हा. का धा धि प थी म
 हा का ला २ पं वा म क व स
 गा ॥ ॥ व क प्र द ला
 द ना २ रु र्ध्व क लि ता पि
 ॥ ॥ क र्ति क पाल वा
 ना २ ना ग भि व स्थ ना प म ना गा ॥ अ नू ना गा अ नू व द म् ॥ ॥ ॥

ज ४

कि न व व मो ली धा वि द म ना वृ द्ध गा म न सा व रु क वी ना २ प्र ता नू द ना
 धु व रा वा. आ धा न क लि ता
 ना ग ल लि ता ॥ वि ष य वि
 आ वि ना रि क म ल २ द रु
 धी धि आ रु व स म य म्मा म
 व कं रु व द म् स व वि ष न य ॥ प धि प द म सं या गा सं रु व नि ध ना. स रु

५ वरुणपयं कासन कं कृमा नृत्त तनुनाम से गीति ज्ञात्वा स्वभाने

जानतु मयं हसन नृपं १ जगतनाशन वाधिरुलदायकं यागधर्ममानुषा
वदियं ॥ ॥ गुनवाक् ६४७ ॥ दधनि या अर्द्धपवन कं विद्यमानं
मूकं वृद्धतादि विवि
नम्यं रं ममानुवावाह
पवितावना वृद्धधर्म से
तथा विद्यागवति सूत्रवत्तु ज्ञान ज्ञान मानु वृद्धतावदा ॥ ॥

जज

ॐ

५ वरुणपयं कासन कं कृमा नृत्त तनुनाम से गीति ज्ञात्वा स्वभाने

नागललित ॥ अलपं वन श्रीमंश कृमा वा २ शशध वकि वदा संकाश
दहा ॥ ५ ॥ दव श्रीमंश
वदहिन कवधमा ॥ ५ ॥
प्रपकागकासन दहा ॥
वदुनमा वदर्पवाध प्रहा
दिक दया २ अरुिमत सुखरु लवद प्रसादा ॥ ॐ ॥ नागदेववी ॥

पुर्ववक्रायनीहंसमानूजा
कनकवर्णमयूरप्रभावी२डहवमाहधवीव

ववाहिनीवडधववशिपू
नीलवावशहितामयूर
वधमाकप्रदामासमन
आयधीहृदिवाहनकंक
नघावनूपमंकुशमहितामहिवासनं॥
मयूरप्रभावी॥ ५॥ हंसमयूरप्रभावीः
ववगधपतिमहितामयूरनाडिमम
कपापरुयहनधं॥ ॥पश्चिमः
मवर्णवक्रहृतामदकिरावावाहीघ
गङ्गावनवशिकादवीध

ज०६

पुर्ववक्रायनीहंसमानूजा
कनकवर्णमयूरप्रभावी२डहवमाहधवीव

मवर्णकनकितवताडमनूशहितामयूरप्रभावीमयूरववाहनः
वक्रवाकसवर्णमहि
गजावक्रमहितामयूरः
नीवासिंहवाहनखक्र
पादितकृष्णालनवदः
वक्रगुतिमयुतिगमसिद्धिकवजं॥ ६॥
हंस॥ ॥नेत्रविष्णुवीगनूडवाहन
धवी२वायवावामुअदेवीकंकालश
धवी॥ ॥असकूलनागधोवनिः
गद्वी२यधमामिदवीथीआवाधिया
॥गागमज्ञाद॥१कवदन

बहमकूट आलंकार २ वं बुद्धिजगत्तु पुरुषं धनं धनं धनी ॥ ५ ॥ नमो
 मिमं धीयमनं धीयम
 ॥ दहिनासपतिवाम
 कालितस्थिता ॥ ५
 महारुयवद्वयाधिद्वि
 सरुनयिया २ गुनवद्वयमावशिष्टिवनप्रसादा ॥ ५ ॥ नागकनदि ॥

जग

श्रीमं नारायणमहाविनविजयिया २ वं बुद्धिजगत्तु पुरुषं धनं धनं धनी नागवासदहः
 स्थनू ॥ ५ ॥ नमो मिमं धीयम
 पिता ॥ ॥ पुरुषकधनं धनी
 लमपुलालं कता ॥ ॥ ५
 विसानदपंक्तिनिबंजना ॥
 किराखनकमूदयियवर्धमपदहा २ वं बुद्धिजगत्तु पुरुषं धनं धनं धनी नागवासदहः

श्रीमं नारायणमहाविनविजयिया २ वं बुद्धिजगत्तु पुरुषं धनं धनं धनी नागवासदहः
 स्थनू ॥ ५ ॥ नमो मिमं धीयम
 पिता ॥ ॥ पुरुषकधनं धनी
 लमपुलालं कता ॥ ॥ ५
 विसानदपंक्तिनिबंजना ॥
 किराखनकमूदयियवर्धमपदहा २ वं बुद्धिजगत्तु पुरुषं धनं धनं धनी नागवासदहः

शिता॥ ५॥ नमामि २ श्रीमंशु श्रीमकल गुननाया सुन गुन २ कृमतिदह
 न हान वन यद सर्व ह ह
 दय वज्र घ ॥ धन मृदा आ
 रूतीय हान स्तु न्ध वरुथ व
 वन धर्म वाप चरुथ वाह
 हलित ध ५ म म ॥ धन विवना ॥ ॥ निबूद्धि बूद्धि हायि मि

ज ८

न्यामिता सर्व ह हान विपुल साग वा २ प्रहृय वल धन धमः
 गतिय व मा दि व ऊ ऊ
 श्रीकृष्ण पाल गि विरु व
 धना ॥ ५॥ नमामि २ श्री
 पितृ मंगला ॥ ॥
 वरुके मला सेना ॥ ॥ वेक नाग संयुक्त जून रु न हान २ पव म रु गु ति

श्रीकृष्ण
 पा ३
 ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मृगुतिव नमः सुदाता ॥

विनायक गणेश्वर ॥

प्रथमा मिलाक धन सुमं

लननय निरुवन श्रीका

शनपाल मधुलमाभ्यम

दाता ॥ ३ ॥

॥ अनुसमनाहन वागमतिमधु ॥ २ ॥ विघ्न

॥ सतगु नूचवदधिशिवागतधविघ्न ॥

गला ॥ ॥ वागनामकवी ॥ जिनव

पाकलनिवाशितजिनव नमूनिना

मिहककिन ॥ ॥ जगतनाथ अरुच

॥ विद्यागमतिवन्धिया नमः ॥ ॥

ग २

गमल्ललाक धन देवं ॥ २ ॥ सिद्धायागीव

किरूणामेधिन नमः ॥ ३ ॥ देव

यानवामकमलहा ॥ १ ॥ २ ॥

रुनदा ॥ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

कधन देव ॥ २ ॥ नमामि नमः

॥ ॥ दशरूपिदायिग

॥ ॥ वाशिकमलविदाशितकधि

कसुमनकनागकसुदाविदक ॥ १ ॥ १ ॥

किकायरुक्तिनमामि श्रीवृगमललो

मिथीननमः ॥ ३ ॥ देवास्वर्गमर्षपातालदेवा

॥ ॥ दशरूपिदायिग

सनाजपत्र १०१

मिलगतधवियाशीलाकधनमनलामि॥ ॐ ॥ वागवामकनी॥ स
नाथरुदहिनकुजमूरुयमूद्राधवा॥
॥ नमामुशीदीपंक
॥ वामकुजवनविविध
सूगतिपदवनमाददाता
शीमाकमनिवनननिनधना॥ रुनयिनलकूलिधगीतवनिता॥ ॐ ॥

७०

नमामिश्रजिनपंच १०२

नागनाट॥ नमामिश्रजिनपंचधर्मधादुस्वयंरुशीकुवनमनरुनधर्म
धादुवागीधवा॥ ॐ ॥
मिहार्जिंशसहस्रखलाया
तल॥ एवडनिबंजनमहा
कुं॥ नेपालमधुलमायासु
दहिनतीकूरवमधवावी॥
नमामिश्रजिनपंचजिननमामुद्रदशरु
॥ ॥ स्वर्गमर्षपातालकुवनशीकाया
मनिधवा॥ ॥ धर्मशामिश्रज्ञानशीमि
नास्वनीपि॥ ॥ वामपूरुकधनधवा॥
॥ श्रीलाकधनमधुलमहास्रवनाया॥

नमो निरंजिन २०३

जाधिनाजप्रीनभन्दुमल्लदव॥ ॥ श्रीवज्राचार्यवन्द्यरुद्राचार्यश्चरुनयिः
 वाक्वज्रदिलावनिना॥ ॥ नागरुववी॥ नमामिशक्तिनक्षत्रः
 कनन्दकचतुर्नमूनृतिआ ॥ लंकनाश्चपंचनपंचवक्षस्यवृषावृद्ध
 धर्मआलयध्वना॥ ५ ॥ तनाईईई॥ जगत्संसारदुष्टानयामना
 हवनमामुश्चपंचजिनध्वना ॥ ॥ नमामिशचक्षिपूवध्वनात्रा
 द्विसिद्धिवन्दायनी॥ २५ ॥ निरुवधसर्वपापकृत्यंकनदानपुण्यवृक्षादप

५१५१०४

दं॥ ॥ नमामि श्वरमर्षभुवागीश्वरप्राकृतं दुःखमनपविमद्युताश्वरु
 मतामननूदामूदकावास
 गीश्वरमधुलपन्नगिनिनि
 नप्रदामामिचक्रश्वना॥ ३
 तुललावायाकाटिहाथ
 नीरुन्दयाववास्तुवितकनदवा॥ ५॥ ॥ ॐ कानमधुलारुनिधमनयागि

नीलवर्णान् श्वेतवर्णान् कालिङ्गान् वासुसकलमाश्रय ॥ ॥
 पूर्ववक्त्रविज्ञानावदक्षिण
 डलुवक्त्रधनियान् ॥
 नियाव २ कायवाकविरु
 न ॥ ॥ नूपस नूपमरु
 २ कर्णपा मगुलचनियोगावय वाहन पूजन हायि ॥ ॐ ॥ नाग

६२

प्रतिनीतिव २०५

कामाद ॥ मूतिनीलवर्णवृद्धिनाहानं मद्यमानतपूषिस्तदहं नोडरुया
 नकपी १० च नं मूषुग्राह
 नषवधुमारुकागद्य
 नखज्वम ॥ ॥ दिन
 कुनवकुदंष्ट्राकनालं व
 समवदनं जालिङ्गान् समूहं धंधनकनं २ वादनस्थलमरितांगं नना

कृतिभाष्य २०३

स्थाननमस्तुतं॥

ऊनऊनसहजश्रीहेनव
हासा॥ कलिहोपमाहवजि
पञ्चस्रनपंचजिनधातु
मिथीभातिघटवजधातु

ऊगहवापित किरुवनैकनूपंरुनयिपंचरुधायकं पविमणितुवकु

॥रुक्तदानपतिनआसावांछितार्थवलदयं२

वनरहासदापहामं॥ ॐ ॥२वागा

नधातुवीजं निनूपमधर्मधातुनूपं२ ५३

सर्वबुद्धालयरूपं॥ ५॥ नमा

वापितं अनेकदवासूनशुविना॥

वमथुला विदिगतावादवीमणितुता॥

२ सहस्रस्ररुथागतः

वननमिति॥ ॥धीथा

लिगाध२ नमामिहनेध

द्धिदायनी॥ ॐ ॥वाग

लियाकाल२ सर्वनिनूपति पूजनपूजिकजिनजलबन्धलमाया॥ ५

॥धातुशवाधिसत्वकडवान

नूपधना२ प्रहामामिवजस्रत्वशिरु

गाम्भवपंचजाकिनीपंचकूम्भेनआ

नीशिरुवनऊननीअनेकनादिसि

वनादि॥ सर्वयानकालविकालरु

५

रुवापात्र २०४

॥ हूं कुंज कुंज कवानमयि यनि साहिय वालिया न २ पं वा मृत वस कलि ध
उन्ना मगा कदहन पंच भा
यम मय न विधा शिया न २
न ॥ ॥ ॐ न्यय मय क
दयिकं धान ताल पा ताल
लक्ष्मण मान्साहिया न २ कान्ति का रुद्र कंधा वदान पति व सर्व कार्य सा
न ॥ ॥ ॐ न्यय मय क
दयिकं धान ताल पा ताल
लक्ष्मण मान्साहिया न २ कान्ति का रुद्र कंधा वदान पति व सर्व कार्य सा

॥ कर्तृ पावलि अविद्या न वा विमान रुद्र हं ग व २ ना जा दान
पति मय विवा न व स मय
न ॥ कात्यादिव स्थित अका
सि कु व न २ पर्व लभा द व ३
व न ॥ ५ ॥ अम व रु
पाय रु व न २ विवि वि वि पू र व न ३ विघ्न रु द न ४ आदि द द दि ग जा न ॥

कान्ति का रुद्र कंधा वदान पति व सर्व कार्य सा

नमामि २ श्री लक्ष्मी

॥ दहि न कवति धवपुवु श्रितिलावनं द्यमनसा मूर्तिगामं २ वामखट्वां
गवववम कपाला रुवम
नवीनमृदुहासं विंदुव
ननमृधुमाला अलिवलि
कवजगुवृत्तलक्ष्मि नंदरु
निवद कशीमहाकालकवपादस्नवतां ॥ २० ॥ नागरुववी ॥ नमामि २ श्री

५५

हानीतीमहायक्षणीदवी २ पंचक्षतपविवावायदहयदवी ॥ २१ ॥ नमामि २
पद्मीमामकीदवीजगत
क्षिमाक्षमूर्तिप्रसादं नना
क्षणीदवी २ धर्मधनुषविपा
यधनदवविजयधरिता
॥ नमामि २ श्रीमंशुदेवनगीतवनिता २ प्रथमामिपद्मीदवीक्षिप्तिक्षिद

पुनरेवमपि ११०

हिमा॥ ॐ ॥ वागनाट॥ मूनलमधुलमाज्जमूषानवकंरनत्रपीरभपवि
ललितासनस्थिता॥ ३ ॥ नमामिशीहानीदीद्वीरपंचेनगसूतवि
घनमहासूवा॥ ॥ अन पमसूखवूषीपदसितदनाशगेनवर्ग
जीतिनयनसूदवी॥ ॥ प्रियाकवांगनलभानीतपादिश्ववृक्ष
सनस्थितसर्वकामार्थसाध नी॥ ॥ किमुवनचापितडझाविहीर
रुनयिगीमहासूखवजगीतगावयी॥ ॐ ॥ वागमन्नाद॥ विश्वकमलाप

३४

विश्वकमलाप ११२

विविंदविष्वाशंकावसंजाकलश्वादवदहा॥ ३ ॥ नमामिजन्मवनाथवसुधा
नाज्जालिंगिताशसर्वासाप वियूनयवलादिदहिमा॥ ॥ ह्रमवर्ग
कनूदिशालंकृताशद्विहुज एकमसूखडत्यलमंजलिभाहिता॥ ॥
सुखकलशभावीवीजयूव कंशमूषवसयनकूवनाभाहिता॥ ॥
पाद्यादिहमाधिरुडाश्व स्ववर्गयकयकधीयावस्थिता॥ ॐ ॥
वागमाववा॥ पूर्वामसूखद्विहुजनीलवर्गदहाशदहिनरस्यर्धवामभानमूडा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥

॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ यवकं च नमस्कृत्य वदति ॥
 ॥ दक्षिणद्वीपीयकं च ॥ १ ॥ वामद्वीपीयकं च ॥ १ ॥
 ॥ पंचमिखवरगोल ॥ १ ॥ अक्षयजित ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ मलायविनविशमिमुला ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

५०

॥ ५ ॥ नीललाहितपीतसिक्कचडवदना ॥ १ ॥ यवकं च नमस्कृत्य वदति ॥
 ॥ अक्षयजित ॥ १ ॥ दक्षिणद्वीपीयकं च ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

यूक्तिमार्गगणसूत्रास्वेव २०० अं यमादिगणपत्तिरुहः ॥ गानागत
रूपजिकाटिगणवृत्ताश्च ॥ समामित्रकैवर्वाकालवर्कः ॥ ८३५७ ॥

五

१॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ

तावीयूकसी२सववीवधुवीद्वीमधुलपवध॥	॥आनरुनावयिहव
वलेया२नेवात्मानावीकाल	मेया॥ ॥ववक्षघाघववपंवखषम
२विरुषितमधुमालादिगं	वना॥ ॥यंवामियनसगतकूदहन
२दलडद्यउऊगप्यमृतमय	ना॥ ॥विमलसंवकूसमनवाल२
हनयिअमाघवऊहवूव	काल॥ ॥वागरुववी॥वखअय
मृगान	



नाकिमुपुल
नीलदेजान
गोनीवीनी
कुर्धनक
हालकनवि
मनमद
धन्यातिबंजन
मृसनानी

३०
३२
४०
४१
४२
४३
४४
४५

हेकानमंरु
भवाजाका
वानलिवृष्टि
कनकवधू
पागलकानन
सकलेज
सकलेज

४७
४८
४९
५०
५१
५२

वासन
हिमुज
गानाह
गिरलकमल
नीलदेकान

५७
५८
५९
६०

पुवनेकलि
निर्मनगयन
किनवलजन
वकीकुपुल
वामखसन
हेहेह
गीहवक
मुखेगनिन

२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९

मागजाल
वक्यागिनी
कथान
मकलेज
निमोमिनि
षट्थागिनी
अज्जुहूरु
पवनममुले
जयजय
हेकान
हेकान

३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७

हमै वा हूँ न

जाहि वा नाचो

हमै किन
नुमाहुमथु
बुद्धो विष्णु
विष्णु
नुमादिता
द्विविनि

१३
१३
१३
१३
१३
१३

किनवलनि

१००

सुभातपय
नमाभिशक्तिनयं
नमाभिशक्तिनयं
गतसग
मृत्तिनीलवर्ध
शक्तिपय
सर्वज्ञान
कस्या
नमाभिशक्तिनीला
सुगलमथुल
विष्णुकमल

१०१

१०२

१०३

१०४

१०५

१०६

१०७

१०८

१०९

११०

१११

सुभातपय
हमै किन

११३

११३

राजा मेवरा नमः पुनरे
पुनरा पुनरा नमः
पुनरा पुनरा नमः
पुनरा पुनरा नमः

अनन्तकालेन उदकास उच्यते
अनन्तकालेन उदकास उच्यते
अनन्तकालेन उदकास उच्यते
अनन्तकालेन उदकास उच्यते

राजा गङ्गा गङ्गा गङ्गा गङ्गा
नन्द मुरती धरा रव जवा
महो जाला ॥ ध ॥ तेनाहुं
वनं वृत्तं वृत्तं प्रती मुखनी
जमुर्ध्वं युजतां मुकृतध
जज चर्मय मरखती जीवरे
जज चर्मय मरखती जीवरे

नक्र रविस सीमंदल माज्यः स्थिती आ
राहि उगलिंगन संवराः नानारस्मा
हुं तेनाहुं हुं शतेनातेते हुं हुं ॥ ॥ निल
तेनाः यमनंद मुरती धरा ॥ रवीश्वर
सहादा भर्तृसूखिता ॥ ॥ वज्रधंथ
मानंद मुरती धरा रकती कयालयरसु
राः व्याग्रचर्म कती व्यस्थिता ॥ ॥
जमया किनी देवीः सह जानंद म

चक्र स म्भराः सल गुरु चरन आशधी
 ॥ हादा भनी कि याइ रेः स म्भर चर रे
 कं वा छरि रे वे सा २ तुल्य वोलं त्ये रेः मां द या मु सानेः
 मं कु त के सा दि गं वरा ॥ रे रे मोरुः स म्भर ला याः स मर स
 दरि मोरु को ला २ ह म विरा हि नीः व ज्र वा हा हि के द म
 हि मा मोरु साला ॥ सा लिं भो य ने न लं सूर ह म य नो। क

ह क वारि २ क म ल कु लि स घं थः कर हुं हुं
 न जी वा य ॥ धु ॥ जो गि नि तु ल वी तु ख न हुं हुं न जी व रे २
 तो रा मु ह चूं वि या लेः क म ल सं पि व यि ॥ ॥ जो गि नी
 न ल नी तु स न हुं हुं न जी वा रे
 दा य हुं जो गि नी ले व न जा रे ३ म नी कु ल व हि पा रे व दि या
 ने स मा ने ॥ सा मु ह थ रे वी रे कुं ची य ता रा र चं द्र सु र्ज्य दु रे
 प क्ष न भ रां दो ॥ भ न रे गु द रि ह म कुं डु वी रा २ न र य ना दि मा
 जे उ भ य न उ वी रा ॥

॥ कर्पूरभवयितं काला २
अ. मंदल भवतिना ॥ ॥
॥ पदे सदे सुन्यदे भजता रा २
विनु द्योषमि अंधारा ॥
सतगुरुचरने न जा
ल मंदल स खरवज्रवा

गजननिलावर्णवन्दिते जो दाः मेरु
 त्रियंभुजतर्क द्वादशे रसं वरा
 हमादि राहिनी वज्रवारा हितुस्त
 गा वृत्तिनीला वज्रजो लीया जरेः
 राध्य रसमया जानंदे फलिन्य
 राहि ॥ ८३ ॥ राजकनंदि नीलका

राजक नदि॥ त्रिहंदा नद्यधि जोगिनी देहक वारि २ क मल
 कुली संध्य करुं न वीयाले॥ धु॥ जोगिनी तुलसी वीज
 नहुं न जीवयि २ तो रामुह चूं वियारे क मल संपि वदे
 ॥ कायहुं जोगिनी रेय न जायि ३ मनी कुल वहियारे व
 मियाने समाने॥ साखत घरे घारे कुं चीय ता रा २ न
 ॥ भनयि गूय रिह मकुं दुडु

विना नरयनादिमा जेउ भयनउ विरा ॥६६॥



